तापमान

अधिकतम 37.1 डिग्री
न्यूनतम 20.9 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 17 अगस्त 2025

11 इंडस पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया ...

12 हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की....

खबर संक्षेप

घर से सामान लेने जा रहे युवक की हादसे में मौत

रोहतक। शहर में घर का सामान लेने स्कूटी पर निकले युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान देवेंद्र सिंह, निवासी गांव बोहर के रूप में हुई। उनके भाई राजेंद्र ने बताया कि देवेंद्र घर का सामान लेने के लिए स्कूटी पर रोहतक की तरफ जा रहा था। पीछे से किसी बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसे पीजीआई ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

27 साइकिल चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने साइकिल चोरी करने वाले आरोपी को काबू किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 27 साइकिल बरामद की। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि अन्य वारदातों का खुलासा किया जा सके। सैनिक कॉलोनी निवासी अमन ने बताया कि 8 अगस्त को वह साइकिल से सुखपुरा एरिया में स्थित अपने दोस्त के घर पर आया था। साइकिल अपने दोस्त के घर के अंदर खड़ी कर अंदर चला गया। करीब 30 मिनट बाद जब साइकिल देखी तो वह नहीं मिली।

रोहतक में राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सैनी ने किया ध्वजारोहण

10.5 वर्षों में सरकार ने प्रदेश की जनता को भेदभाव करने वाली व्यवस्था से दिलाई आजादी: मुख्यमंत्री

- हरियाणा समृद्धि की लिख रहा नई परिभाषा, आने वाला समय भी विकास, उन्नति और समृद्धि का बनेगा उदाहरण
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को सीएम ने एक लाख की राशि देने की घोषणा की
- जिले के राजकीय व निजी विद्यालयों में 18 अगस्त को अवकाश की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है और पीएम मोदी के नेतृत्व में इसे विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। इसके लिए आत्मनिर्भर भारत को जन-आंदोलन बनाना होगा। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले साढे 10 वर्षों में प्रदेश की जनता को भेदभाव करने वाली व्यवस्था से आजादी दिलाई है। हर सरकारी योजना एवं कार्यक्रम को 100 से अधिक पोर्टल व ऐप के माध्यम से पारदर्शी बनाया है। सीएम ने स्वदेशी को अपनाने, 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' के मंत्र पर बल दिया। सीएम ने उद्योगपतियों, निवेशकों, तकनीशियनों, वैज्ञानिकों से अपील की कि वे देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने-अपने कौशल का उपयोग करें। सीएम शुक्रवार को राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के लिए एक लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की तथा जिला के सभी निजी व राजकीय विद्यालयों में 18 अगस्त सोमवार को अवकाश घोषित किया। मदवि परिसर स्थित राज्य स्तरीय शहीदी स्मारक पर वीर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने परेड की टुकड़ियों का निरीक्षण किया और सलामी ली। युद्ध वीरागनाओं, व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और आश्रितों को सम्मानित किया।

झंडे को सलामी देते सीएम नायब सिंह सैनी

गार्ड ऑफ ऑनर

तीसरे कार्यकाल में 30 हजार को दी नौकरी

अपने तीसरे कार्यकाल में बिना खर्ची-पर्ची के 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। इन्हें मिलाकर पिछले साढ़े 10 साल में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। हाल ही में कॉमन पात्रता परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। इसके अलावा, सरकार इस निगम के माध्यम से 5 हजार से अधिक युवाओं को विदेशों में रोजगार दिलवाने जा रही है। सीएम ने कहा कि किसी भी व्यक्ति से, कभी भी, कोई भी शिकायत प्राप्त होती है, तो उस पर पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने के सख्त निर्देश हैं।

हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद

नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योग अर्थव्यवस्था का मूल आधार हैं। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का एक इको-सिस्टम तैयार किया है। सरकार ने प्रमाण पत्र, लाइसेंस और अनुमति देने में अड़चन पैदा करने वाले अनेक नियमों और प्रक्रियाओं को खत्म कर दिया है। आज हरियाणा में निवेशकों को 150 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही हैं और उन्हें सभी स्वीकृतियां 12 दिनों में देना सुनिश्चित किया गया है। हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।

मलखंभ में करतब दिखाता

सम्मान देते सीएम

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं

प्रतिभागी विद्यार्थियों का बढ़ाया हौसला

- राजकीय विद्यालयों की 228 छात्राएं मैदान में पहुंची तभी हल्की बारिश शुरू हुई और इन छात्राओं ने बारिश के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी सांस्कृतिक टीमों, परेड टुकड़ियों व हरियाणा पुलिस की सशस्त्र टुकड़ी के बीच जाकर फोटो खिंचवाकर उनका हौसला बढ़ाया।
- राजसांस्कृतिक कार्यक्रमों में ऑपरेशन सिंदूर के अलावा प्राचीन समृद्ध संस्कृति से ओतप्रोत रही प्रस्तुतियां
- पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 228 छात्राओं ने हरियाणवीं गीत संस्कृति से ओतप्रोत रही प्रस्तुतियां

मोर्चरी हाउस में चल रहा निर्माण कार्य

पीजीआई में करंट लगने से दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस में दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों युवक अपने साथियों के साथ मोर्चरी हाउस में चल रहे निर्माण कार्य में मजदूरी करने आए थे। इस दौरान काम करने वाले मजदूर मशीन में आए करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। एक युवक जुलाना कस्बे के वार्ड चार और दूसरा शादीपुर गांव का निवासी था। दोनों की मौत से जुलाना और आसपास के गांवों में मातम छा गया। दोनों युवकों की चिता, एक साथ जली। 15 अगस्त को सुबह दोनों युवक अपने तीन साथियों के साथ रोहतक पीजीआई में मजदूरी पर गए थे। रोहतक पीजीआई में मोर्चरी हाउस का काम चल रहा था। पांचों युवक इमारत में कंकरीट बिछाने का काम कर रहे थे। मशीन बिजली की मोटर से चल रही थी। मौसम खराब के चलते मशीन में अचानक करंट की चपेट में पांचों युवक आ गए। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों की पहचान वार्ड चार निवासी 19 वर्षीय प्रवीन और शादीपुर निवासी 21 वर्षीय अजय के रूप में हुई। दोनों युवक लगभग एक सप्ताह से पीजीआई में काम कर रहे थे।

मृतक के चाचा ने ठेकेदार पर लगाए लापरवाही के आरोप

मृतक अजय के चाचा सोमबीर ने ठेकदार पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सोमबीर ने बताया कि अजय ने एक दिन पहले भी करंट लगने की शिकायत ठेकेदार को की थी लेकिन सुधार नहीं किया।

दो दिन से लापता कारोबारी की हत्या, नहर में फेंका शव

चेहरे-छाती पर कई वार, कमरे में बिखरा था खून

रोहतक। दो दिन से लापता व्यापारी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। इसके बाद हत्यारों ने शव को जलघर में फेंक दिया। व्यापारी के लापता होने पर परिजनों और पुलिस ने तलाश अभियान चलाया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। दो दिन की खोजबीन के बाद शव कलानौर के गांव आंवल के पास नहर में मिला। जिसके चेहरे और छाती पर गहरे घाव मिले। मौके पर व्यापारी की चप्पल, मोबाइल और गाड़ी के टायरों के निशान मिले हैं। मृतक की पहचान गांव टिटौली निवासी प्रवीण के रूप में हुई। परिजन जयभगवान ने बताया कि प्रवीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से पराली खरीदने और बेचने का काम करता था। 13 अगस्त की रात को वह जलघर के पास बने अपने कमरे में सोने गया था लेकिन सुबह वहा नहीं मिला। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो प्रवीण की चप्पल और मोबाइल फोन चारपाई के पास पड़े मिले। चारपाई पर और नीचे काफी खून बिखरा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं बढ़िया मुनाफा

■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा

■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं

करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपकों कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।

फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें

एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

- **लक्ष्यों को पहचानें :** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजूकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?
- **लागत का अनुमान लगाएं :** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं. इसमें फ्यूचर की महंगाई को भी शामिल करें. उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।
- **क्यों जरूरी :** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं

- एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है? 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।
- **इक्विटी के अलावा निवेश करें :** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।
- **विविधता के विकल्प :** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं

- आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी? यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।
- **आपातकालीन निधि :** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।
- **पर्याप्त बीमा :** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

निवेश की राशि को बढ़ाएं

- आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं? जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ना चाहिए।
- **क्या करें :** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।
- **क्यों करें :** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।

योजना की समय पर समीक्षा करें

- क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है? आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है. इसमें कई मोड़ आते हैं।
- **क्या करें :** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।
- **क्यों जरूरी :** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।

एसआईपी सिर्फ एक मंजिल

- अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो। ■

पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मौज में कटेगा बुढ़ापा
- रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्की पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतरीन प्लानिंग करें। वाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार फ्यूचर बना सकते हैं।

पत्नी के टारगेट पर चर्चा करें

सबसे पहला और सबसे जरूरी कदम होता है कि एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करना चाहिए। यह प्लान करें कि रिटायरमेंट के बाद आप किस तरह की लाइफ को जीना चाहते हैं, जैसे कि क्या आप यात्रा करना चाहते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, या शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं? जब आप दोनों ये तय कर लेंगे तभी आप अच्छी बचत अपने आने वाले कल के लिए कर सकेंगे।

खर्चों का आकलन करें

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें घर का किराया या ईएमआई, खाने-पीने का खर्च, हेल्थ और मनोरंजन जैसे सभी खर्च शामिल करें। पार्टनर के साथ मिलकर एक ज्वाइंट बजट बनाएं जो आपकी फिलहाल की इनकम और खर्चों को पेश करता हो। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि आप कहां बचत कर सकते हैं और कहां अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बीमा स्कीम की समीक्षा करें

हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के चिकित्सा खर्चों को कवर करती हैं.आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

टाइम टू टाइम समीक्षा करें

आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है वो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे नें अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि ये कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। ■

आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

मुसीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन मुसीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।

बजट बनाएं और लक्ष्य तय करें : आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपयह तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बचत करने में मदद कर सकता है।

छोटे कदम से शुरुआत करें : लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।

बचत को ऑटोमेट करें : आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे खर्च करने से बच जाएंगे।

कर्ज कम करने को प्राथमिकता दें : तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से पूरी तरह से फ्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।

अलग और सुरक्षित जगह पर रखें : अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इसको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

कारोबार आइडिया

■ अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें

■ भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूं के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

कहां से मिलेगा कच्चा माल

गेहूं की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूं के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूं खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूं को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूं की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूं खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सीधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूं खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूं की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूं को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।

शुरुआती लागत पर ध्यान

इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। वर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।

हर महीने कितना मुनाफा

मौजूदा आंकड़ों के मुताबीक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

क्यों है आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

आटा बेचने के लिए विकल्प

- **भारत आटा बिक्री केंद्र :** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहां इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
- **मदर डेयरी के सफल स्टोर :** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
- **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार :** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
- **स्थानीय बाजार :** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
- **आनलाइन प्लेटफ़ॉर्म :** आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

जानकारी

बिजनेस डेस्क

संसद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी

पुरानेइनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।

नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट

पहले ड्राफ्ट में कम्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए. संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता

नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरेस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता. संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।

गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल

गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमनाम या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था. नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमनाम दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- **संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया**
- **पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थी, लोगों को हो रही थी परेशानी**
- **निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बदले**
- **नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में भी सुधार किए**

कमर्शियल प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार

पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्यूपाइड कमर्शियल प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेंट लगने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कमर्शियल प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

कर ढांचे में बदलाव

- नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।
- 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।

टीडीएस और टीसीएस में बदलाव

- टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।
- टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेमिटेंस स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।

अन्य बदलाव

- धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।
- यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।
- स्टार्टअप्स के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

इंडस पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

विद्यार्थियों की रंगारंग देशभक्ति और नृत्य की प्रस्तुति रही सराहनीयः डा. एकता सिंधु

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की निदेशिका डॉ. एकता सिंधु ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूम-धाम, हर्षोल्लास व परंपरागत ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की निदेशिका डॉ. एकता सिंधु व अतिथिगणों के ध्वजारोहण द्वारा हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि असीम चोपड़ा महासचिव ओमेक्स सिटी सेवानिवृत्त एसबीआई बैंक, डॉ. सुनील तोमर प्रसिद्ध अंकशास्त्री स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत, उपाध्यक्ष ओमेक्स सिटी, प्रोमिला सुहाग निदेशक एसएफएस वैश्य कॉलेज, सुभाष गुप्ता राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं अध्यक्ष सड़क सुरक्षा संगठन, लोविना सिंगला अधिवक्ता एवं लायंस इंटरनेशनल क्लब की सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता, मुक्ता मदान निदेशक साहित्य अकादमी दिल्ली, डॉ. राजेश जांगड़ा निदेशक अंग्रेजी जोन रोहतक उपस्थित रहे। इस अवसर पर चारों सदनों के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए मार्च पास्ट किया।

भाषण, समूह गान, कविता कि अद्भुत प्रस्तुति द्वारा खूब तालियां बटोरी। छात्रों ने लघु नाटिका गिलहरी द्वारा मां के प्रति समर्पण की सीख दे कर सबको भावविभोर कर दिया। छात्रा सारांशी ने वीर रस की कविता युवा पीढ़ी विवेकानन्द हो जाए की ओजस्वी वाणी में सुन्दर प्रस्तुति दी। ऑपरेशन सिंदूर का प्रदर्शन कर सैनिकों के शौर्य व पराक्रम को दर्शाया गया। मंच संचालन का कार्य कक्षा नौवीं की छात्रा परी व साक्षी ने किया। विशिष्ट अतिथि जनों ने बच्चों की प्रतिभा व प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि इंडस पब्लिक स्कूल के छात्र केवल पढ़ाई व खेलों में ही नहीं बल्कि आज हर क्षेत्र में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। उन्होंने विद्यालय के अन्य छात्रों को भी महापुरूषों व सैनिकों सम्मान करने की सीख दी। निदेशिका ने अपने संदेश में सभी को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएं देकर व बच्चों को आजादी का अर्थ बताया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष का अंत नहीं बल्कि एक नए कर्तव्य की शुरूआत है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी को अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए व अमर शहीदों की कुर्बानी को कभी नहीं भूलना चाहिए जिनकी कुर्बानी से हम आजादी की सांस ले रहे हैं। उन्होंने सभी अतिथिगणों व अध्यापकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को मिठाई बांटी गई।

रोहतक। इंडस पब्लिक स्कूल में ध्वजारोहण करतीं निदेशिका एकता सिंधु।

स्वागत भाषण से मोहा अतिथियों का मन

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु व विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। तत्पश्चात सर्वप्रथम कक्षा नवमीं की छात्रा खुशी ने स्वागत स्पीच देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने रंगारंग देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुति देकर वातावरण को देशमय बना दिया।

रोहतक। देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते बच्चे।

न्यूज डायरी

स्वतंत्रता दिवस पर 15 किलोमीटर लगाई दौड़

रोहतक। हर साल की तरह इस साल भी 15 अगस्त, 2025 को 79 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोहतक रनर्स ग्रुप द्वारा वरिष्ठ धावक रामफल फोगाट के मार्गदर्शन में राष्ट्र ध्वज के साथ 15 किलोमीटर की स्वतंत्रता दिवस दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ की शुरुआत सुबह छः बजे छोटूराम स्टेडियम से की गई। सभी धावकों ने रोहतक शहर में स्थापित महान व्यक्तियों और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं, शहीद स्मारक मानसरोवर पार्क, शहीद ऊधम सिंह, सेठ किशन दास, पंडित राम शर्मा, बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर आदि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

एलपीएस हाउस ने मनाया 79 वां स्वतंत्रता महोत्सव

रोहतक। सेक्टर-1 में स्थित एलपीएस हाऊस में स्टॉफ के द्वारा 79 वां स्वतंत्रता महोत्सव बडे हर्ष उल्लास से मनाया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन व उनकी धर्मपत्नी संध्या जैन, पुत्र वधू स्मृद्धि जैन ने झंडा रोहण किया और सभी ने राष्ट्रीय गान गाया और गार्ड ने सलामी है। इस अवसर पर राजेश के द्वारा आये हुए सभी गार्ड व स्टाफ के सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया व सभी को लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

एचडी स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी

रोहतक। एचडी पब्लिक स्कूल बालंद में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में संयुक्त रूप से कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चेयरमैन जयपाल सिवाहा ने स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। उपाध्यक्ष सुधीर सिवाहा ने शिक्षा को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया। 8वीं से 12वीं कक्षा के बीच भाषण प्रतियोगिता, नर्सरी से 7वीं कक्षा तक भजन गायन, फैंसी ड्रेस शो, झांकियां, परेड और नृत्य शामिल रहीं।

स्वामी नितानंद स्कूल में मनाई जन्माष्टमी

रोहतक। स्वामी नितानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जन्माष्टमी एवं स्वतंत्रता दिवस का पर्व पूरे हर्षोल्लास, देशभक्ति और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को तिरंगे झंडों, रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से सजाया गया, जिससे वातावरण में देशभक्ति और भक्ति दोनों का अद्भुत संगम दिखाई दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या नीतिका मलिक, स्कूल प्रबंधक रश्मि देशवाल, उपप्रधानाचार्य अमित कुमार और समस्त अध्यापकगण द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मिलकर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में छात्रों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविताएं, नृत्य और विभिन्न आंदोलनों से संबंधित झांकियां प्रस्तुत कीं, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

मॉडल स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

रोहतक। मॉडल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम और उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष रामअवतार गुप्ता, सचिव राजेश कुमार सहगल 1993 बैच के विद्यार्थी कैप्टन पवन कुमार इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी प्रबंधन समिति सदस्य विजय बल्हारा, हिमांशु ग्रोवर, पवन अहुजा इस अवसर पर उपस्थित रहे। इनके अलावा पूर्व छात्राओं अवनि और यक्षिता को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

रोहतक। स्वतंत्रता दिव के मौके पर ध्वजा राहेण करते क्षेत्रीय प्रमुख अतुल बंसल।

केनरा बैंक में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर हुआ कार्यक्रम

रोहतक। केनरा बैंक रोहतक में 79वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रमुख अतुल बंसल द्वारा ध्वजारोहण करके किया गया। इस अवसर पर केनरा बैंक के गणमान्य ग्राहक, कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने शिरकत की। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

एमडीएन विद्यालय में रही राष्ट्रभक्ति की गूंज

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का अनुपम आयोजन अतुलनीय गौरव एवं गहन देशानुराग की भावना के मध्य सम्पन्न हुआ। प्रभात की अरुणिमा में सम्पूर्ण विद्यालय-परिसर राष्ट्र प्रेम की पावन आभा से आलोकित हो उठा। मैनेजर रेणु नरवाल और प्राचार्या मिस मीनू टहल्यानी के करकमलों द्वारा तिरंगे ध्वज का सम्मानपूर्वक आरोहण तथा राष्ट्रगान के सामूहिक गायन ने उपस्थित जनसमुदाय के हृदयों में अदम्य उत्साह एवं स्वाधीनता के प्रति निष्ठा का संचार किया। स्वतंत्रता-उत्सव के पावन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक अनुष्ठानों की सुरभित श्रृंखला में विद्यालय के प्रतिभासंपन्न विद्यार्थियों ने कला, साहित्य और भावाभिव्यक्ति का अद्वितीय समन्वय प्रस्तुत किया। उद्घाटन देशभक्ति-काव्य-पाठ से हुआ, जिसमें ओज, करुणा और गौरव का अद्भुत संगम झलक उठा। तत्पश्चात भावप्रधान नृत्य-नाट्य की सुमधुर प्रस्तुति ने स्वतंत्रता-समर के अमर शिल्पियों के अदम्य पराक्रम, त्यागपूर्ण जीवन तथा तपश्चर्या को सजीव मूर्त रूप प्रदान किया गया।

महम। आरकेपी स्कूल मदीना में एनसीसी परेड की सलामी लेते मुख्य अतिथि।

आरकेपी स्कूल मदीना में गूंजे देश भक्ति के नारे

महम। आरकेपी स्कूल मदीना में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि आरकेपी स्कूल के पूर्व प्रिंसिपल सुदर्शन थॉमस और स्कूल के शैक्षणिक निदेशक साहिल दांगी ने ध्वजारोहण किया। समारोह में देशभक्ति के गीत, पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग, रंगोली, स्केटिंग, पतंगबाजी आदि गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का दिखाई। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशभक्तों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और अपनी देशभक्ति की भावना को प्रकट किया। इस दौरान प्रसाद वितरित किया गया। मुख्यातिथि सुदर्शन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन हमें हमारे देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान वीरों की याद दिलाता है।

राजकीय कन्या विद्यालय में किया शहीदों को नमन

रोहतक। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलानौर में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण रोहतक द्वारा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सूबेदार मेजर धर्मपाल सिंह द्वारा शंकर दून नवनियुक्त जज रोहतक की उपस्थिति में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद विद्यालय प्रांगण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। छात्राओं ने तिरंगे की शान और देश के वीरों के बलिदान पर आधारित गीत, नृत्य और कविताओं की प्रस्तुतियां दीं और इस अवसर पर झांकी भी निकाली। मुख्य अतिथि शंकर दून नव नियुक्त जज ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए छात्राओं से शिक्षा, अनुशासन और कड़ी मेहनत के माध्यम से देश निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण रोहतक के डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसल राजबीर कश्यप एडवोकेट, संदीप कुमार पैनल एडवोकेट व प्रिंसिपल प्रदीप कटारिया ने भी अपने संदेश में छात्राओं को जिम्मेदार नागरिक बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा दी।

समाजसेवी संस्थाओं को सीएम से करवाया पुरस्कृत

रोहतक। राजीव गांधी खेल परिसर में मनाए गए मुख्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इन संस्थाओं को सम्मानित करवाया गया। जिस में रोहतक नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था बाबा बंदा बहादुर सेवा समिति को भी समिति द्वारा अर्जित उत्कृष्ट समाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। बाबा बंदा बहादुर सेवा समिति रोहतक जिला प्रशासन रोहतक व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का तहदिल से धन्यवाद करती है कि आप ने समाज सेवा करने वाली समाजिक संस्था बाबा बंदा बहादुर सेवा समिति रोहतक को उत्कृष्ट समाजिक सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सेवा समिति में निष्काम सेवा कर रहे सेवादारों का मान और उत्साह बढ़ाया है।

बाबा मस्तनाथ स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया

रोहतक। श्री बाबा मस्तनाथ पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या कमला गिल द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य, कविताएं और नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया और देश के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल छा गया। प्राचार्या कमला गिल ने अपने संबोधन में सभी विद्यार्थियों और उपस्थित जनों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में हम सभी को अपना योगदान देना चाहिए।

सहकारी बैंक में किया शहीदों को नमन

रोहतक। दी रोहतक केंद्रीय सहकारी बैंक में 79 वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि हरीश कौशिक चेयरमैन दी रोहतक केन्द्रीय सहकारी बैंक रहे। हरीश कौशिक का मुख्यालय पहुंचने पर बैंक महाप्रबंधक ने पगड़ी पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया तथा साथ ही वाईस चेयरमैन अभिमन्यु, आनन्द कौशिक, सत्यवान सिंह एवं राजेश कुमार निदेशकगणों का पगड़ी पहनाकर एवं मंजु कौशिक निदेशिका को शॉल भेटकर स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि चेयरमैन दी रोहतक केन्द्रीय सहकारी बैंक हरीश कौशिक द्वारा ध्वजारोहण किया।

सेंट मैरी स्कूल में दिखी देशभक्ति की झलक

रोहतक। सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बहु अकबरपुर में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस एवं मान्यता दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण और प्रार्थना गीतों के साथ हुई, जिससे विद्यालय परिसर में एक आध्यात्मिक एवं देशभक्तिपूर्ण वातावरण निर्मित हो गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मानद नायब सूबेदार सुरेन्द्र कुमार ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक स्वागत नृत्य के माध्यम से सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके पश्चात स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों द्वारा प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया गया।

उपकार हाई स्कूल में मनायाा स्वतंत्रता दिवस

रोहतक। उपकार हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। डॉ. निर्मला कायत, प्रो. विजय कायत ने मुख्य अतिथि के रूप में आकर ध्वजारोहण व दीप प्रज्जवलित किया। डॉ. निर्मला कायत ने स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों के योगदान व समाज में आई बुरी कुरीतियों जैसे नशा करना आदि के बारे में बताते हुए बच्चों को प्रेरित किया। बच्चों ने परेड, पीटी व कविता प्रस्तुति की। हरियाणवी देशभक्ति के गीतों पर बच्चे खूब थिरके। नर्सरी केजी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने भगत सिंह, महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई व चंद्रशेखर आजाद की वेशभूषा में आकर हमारे वीर क्रांतिकारियों की छवि को प्रस्तुत किया। स्कूल मैनेजर वैभव कायत की अध्यक्षता में मुख्य अध्यापिका लक्ष्मी त्यागी व समस्त अध्यापको ने बच्चों के उत्साह को बढ़ाया। इस समारोह में नंदिनी, नीलम, मोनिका, दीपक मौजूद रहे।

आईबी स्कूल में रही देशभक्ति की गूंज

रोहतक। आईबी स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसबी राठी का तिलक कर स्वागत करने से हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराते ही सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया, जिससे आईबी विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक शामिल थे। इन प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और देशप्रेम की प्रेरणा को जीवंत किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने और सकारात्मक योगदान देने का संदेश दिया।आईबी स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण के साथ हुआ।

RADHA SWAMI NURSING COLLEGE
(Recognised/Affiliated by Haryana Govt/HN&NMC/INC)
Approved by NIILM University
VPO Kharkara, Distt. Rohtak M. 9812072127
Admission & Guidance (Session 2025-26)
हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स करने के लिए संपर्क करें

Course	Duration	Eligibility
GNM (Nursing Officer)	3 Years	12th Any Stream

UNIVERSITY COURSE
X-Ray Technician | Physiotherapy | Fire Safety & Technician
Radiology & Imaging Technology | Medical Laboratory Technician
And many others Diploma/B.SC/M.SC
Degree Course offered by University.
Rohtak Off.: Radha Swami Medical Institute
Shastri Nagar Hisar Road Bye Pass, Rohtak M. 9812072127

HARTRON
Hartron
(हरियाणा सरकार का उपक्रम)
COMPUTER TRAINING & SKILL CENTRE
हार्ट्रोन डिप्लोमा सभी सरकारी विभाग व निजी कम्पनियों में मान्य
AS PER HARYANA GOVT. NOTIFICATION DATED 19/09/19 SETC (PART-1) EXEMPTED AFTER SIX MONTHS/ONE YEAR COURSES
Diploma/Certificate Course in
- Software
- Financial Accounting
- Web Technology
- Desktop Publishing
- Hardware & Networking

Short Term Courses
- Office Automation
- Digital Marketing
- Software Testing
- Fundamental of Cyber Security

Features
- Computer Courses as per current IT market
- Excellent Curriculum
- Regular/Part time classes
- Well Trained and Qualified Faculty
- CCTV, Biometric Attendance System
- Flexible Timing for job Holders
- Air-Conditioned Labs & Theory Rooms
- Computer Labs for Practice Sessions

185, Huda Complex, Near ZAD Global School, Rohtak
M. 7404288876, 7419488930

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK
Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ANM 2 YEARS | GNM 3 YEARS | JBT 2 YEARS
ADMISSION OPEN
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks
SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES

RMO	4
ICU STAFF	6
MRI TECHNICIAN	1
PRO/MARKETING EXECUTIVE	2
COMPUTER OPERATOR	1
SWEEPER NIGHT	2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT | HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT | Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

खबर संक्षेप

हमें कष्टों में मुस्कुराना चाहिए : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने जन्माष्टमी पर जिलावासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें साहस, धैर्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सदैव कठिन परिस्थितियों में धैर्य और साहस बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कृष्ण ने कालिया नाग के फन पर नृत्य कर यह संदेश दिया कि कष्टों में भी मुस्कुराना चाहिए। कंस जैसे दुराचारी का वध कर उन्होंने हिम्मत और बहादुरी का मार्ग दिखाया।

सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

रोहतक। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकहित संस्था द्वारा भरत कॉलोनी स्थित वैदिक भवन में सम्मान समारोह के साथ ही कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से की गई इसके बाद गणमान्य लोगों की उपस्थिति में पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम में खेल, स्वास्थ्य, चिकित्सा, योग, साहित्य, पत्रकारिता, समाजसेवा, लोक-संस्कृति आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए वीना मलिक, मानता शर्मा, दया आर्या, गरिमा, वेदिका, विकास, अनिल मोर, रोहित, अंकुर, ममता शर्मा, पवन गहलोत, अलका जांगड़ा, सोनिका पंवार 'सवेरा' सहित लगभग दो दर्जन से भी अधिक लोगों को सम्मानित भी किया गया।
लोकहित संस्था के प्रमुख एडवोकेट चंचल नांदल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का समाज में बहुत महत्व है। ऐसे आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों के उत्कृष्ट कार्यो अथवा उपलब्धियों को समाज में पहचान मिलती है बल्कि उनको आगे बेहतर कार्य करने के लिए कार्यक्रम में पधारे रोहतक के रामधारी खटकड़, अर्चना कोचर, बलबीर सिंह ढाका, महेन्द्र सिंह बिलोटिया, कृष्ण लाल गिरधर, संदीप शर्मा 'बावरा', सुनीता बहल, राजपाल रंगा, अविनाश सैनी, सोनिका पंवार 'सवेरा', आँचल आदि कवियों की रचनाओं को सुनकर श्रोताओं के दिलों में देशभक्ति की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर कविता मलिक, कैप्टन शमशेर मलिक, रामकिशन पावड़िया, नरेश बहल, बसंत, शमशेर, संदीप नरवाल, सुभाष कादयान, ब्रह्मानंद, बलजीत सिंह, सतीश कुंडू, सुशील, सुनीता देवी जसराना, रेखा, डॉ० देविका दलाल, सरोज दलाल, मोना नांदल आदि मौजूद रहे।

जिलेभर में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया, मंदिरों में रही भारी भीड़

हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की आनंद उमंग भयो जय यशोदा लाल

- श्रद्धालुओं ने व्रत रख मांगी मनोकामनाएं, बाजारों में रही भीड़, पुलिस बल रहा तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। संकट मोचन मंदिर में जन्माष्टमी पर भक्तों संग नटखट कान्हा को झूला झूलाते साध्वी मानेश्वरी देवी ।

रोहतक। दुर्गा भवन मंदिर में जन्माष्टमी के पर्व का शुभारंभ करते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडडा। फोटो : हरिभूमि

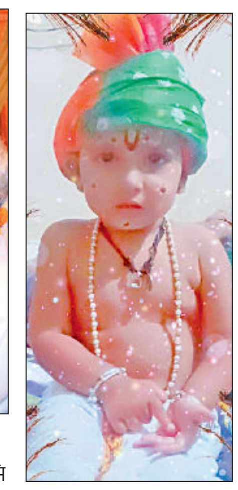

जिले में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने मंदिरों में पहुंच कान्हा से मन्नतें मांगी। मंदिरों में झांकियां देखने के लिए श्रद्धालुओं की जमकर भीड़ उमड़ी। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म लेने तक व्रत रखा और विधि-विधान से व्रत खोला। जन्माष्टमी के पर्व पर दुर्गा भवन मंदिर, मॉडल टाउन गुफा मंदिर, सेक्टर एक कुंज बिहारी मंदिर, बजरंग भवन मंदिर, बड़ा बाजार पंचायती मंदिर, माता दरवाजा मंदिर सहित अन्य कई मंदिरों में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया था। इसके अलावा भीड़ भाड़ वाले ईलाके में लोगों के वाहन ले जाने पर भी रोक रही।

दुल्हन की तरह सजे मंदिर: जन्माष्टमी पर मंदिरों को बड़े सुंदर ढंग से सजाया गया था। मंदिर रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग कर रहे थे। शाम होते ही शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में छोटे-छोटे बच्चे कान्हा और राधा की मनमोहक पोशाक में सजकर मंदिर में पहुंचे। शहर के कई मंदिरों में मनोहारी एवं मन लुभावनी झांकियां तैयार की गई थी। इनमें राधा-कृष्ण नृत्य, भगवान शंकर-मां पार्वती नृत्य, सिंदूरी हनुमानजी का नृत्य, कारागार में वासुदेव-मां देवकी की श्रीकृष्ण जन्म की झांकी, झूले में श्रीकृष्ण-राधा रानी, श्री राम दरबार की झांकी, भगवान नरसिंह अवतार की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही। हिंदू धर्म के अनुसार जन्माष्टमी का पर्व इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन महायोग में भगवान श्री हरि विष्णु ने धरती पर श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया था। उन्होंने अत्याचारी राजा कंस का वध करने के लिए उनकी कैद में माता देवकी के गर्भ से जन्म लिया। इसके बाद वह गोकुल पहुंच गए, जहां उन्होंने अपनी बाल लीलाओं से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीकृष्ण का जन्म अष्टमी के दिन हुआ था, इसलिए जन्माष्टमी का त्यौहार हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन जहां भगवान श्रीकृष्ण व राधा की प्रतिमा को आकर्षक रूप में सजाया जाता हैं, बच्चों ने भी मनमोहक झांकियां निकालकर पर्व का आनंद लिया।

ऑपरेशन सिंदूर की झांकी : सेक्टर एक में कुंज बिहारी मंदिर में नंद के आनंदभयो, जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से देर रात तक गुंजायमान रहे। इस मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस बार देवी-देवताओं के अलावा भारतीय सेना के शौर्य को दिखाती झांकियां ने लोगों विशेषरूप से प्रभावित किया। कई मंदिरों में ऑपरेशन सिंदूर की झांकी को भी दिखाया गया था।

बच्चों ने निकाली झांकियां

जन्माष्टमी के पावर पर्व पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही भक्त मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गए। वहीं प्रभु की सभी प्रतिमाओं को आकर्षक लाइटों व रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया। कान्हा के पालने को भी रंग बिरंगी लाइटों व गुब्बारों से सजाया गया। वहीं शहर में विभिन्न प्रकार की झांकियां निकाली गई, जिन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग अपने घरों से बाहर निकले और झांकियों का आनंद लिया। जन्माष्टमी के पर्व पर कई स्थानों पर झांकियां निकालने के कारण शहर में जाम की स्थिति पैदा हो गई। झज्जर रोड, दुर्गा भवन मंदिर के पास व शांत मई चौक से निकलने में लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। यातायात पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी।

धनिए की पंजीरी बनाने की परंपरा

जन्माष्टमी के पर्व पर धनिए की पंजीरी का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। क्योंकि धनिया वात प्रभावित लोगों के लिए अमृत का काम करता है। यह वात प्रभावित लोगों की बीमारी से उन्हें छुटकारा दिलाता है। साथ ही शरीर में जल के दूषित होने से बढ़ने वाले विषैले तत्वों का भी नाश करता है। इसके साथ ही मक्खन व मिसरी का प्रसाद भी भक्तों में वितरित किया जाएगा।

डीएवी शताब्दी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्य शंकर लाल द्वारा ध्वजारोहण से किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें गीत, नृत्य और नाटक शामिल थे। आप्रेशन सिंदूर पर आधारित नृत्य प्रस्तुति (बैले) कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही जो आतंकवाद के विरूद्ध भारतीय सेना के साहस व बलिदान को दर्शाती है। इस नाटक के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि देशभक्ति सर्वोपरि है और हमें आतंकवाद के विरूद्ध एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस पर भाषण के माध्यम से आजादी पर अपने विचार प्रस्तुत किए और देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानाचार्य ने स्वतंत्रता के महत्व को बताते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्य और उत्तरदायित्व से अवगत कराया तथा देशभक्ति, एकता, अनुशासन व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधानाचार्य शंकर लाल, इंचार्ज सीमा पाहवा, अनीता शर्मा, अनीता नरवाल, मंजू आहूजा, वंदना सुनेजा, सुनीता शर्मा, शिक्षकगण, कर्मचारी और काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

पठानिया पब्लिक स्कूल में 600 बच्चों के दांत जांचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल, रोहतक में डॉ. रैड्डी लेबोरेट्रीज के सौजन्य से कपूर किड्स एण्ड फैमिली डैंटल क्लीनिक के अनुभव दंत चिक्त्सिक डॉ. हिमांशु कपूर एवं अन्य चिकित्सकों की टीम ने कक्षा दो से पाँचवीं तक के लगभग 600 बच्चों के दांतों की जांच की। इस दंत शिविर में बच्चों को दाँतों को साफ रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी। बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने, मसूड़ों की देखभाल करने और नियमित जाँच की आदत डालने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉक्टरों ने बच्चों को दाँतों की बीमारियों से बचाव के लिए संतुलित आहार लेने, भरपूर पानी पीने और चीनी एवं मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन कम से कम करने की सलाह दी। स्कूल प्रबन्धक निदेशक श्री अंशुल पठानिया ने बताया कि आज के समय में बच्चों की खानपान की आदतों के कारण दांतों में कई तरह की बीमारियां लग जाती हैं इसलिए दांतों की समय-समय पर जांच करवानी चाहिए जिससे बच्चों के दांत स्वस्थ रहें। इस अवसर पर स्कूल को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, प्रधान अध्यापिका सुमन राठी तथा डॉ. रैड्डी लोबोरेट्री से जोनी मखीजा एवं जसप्रीत सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कलचरल टीम की प्रस्तुति से प्रसन्न हुए सीएम एक लाख रुपये इनाम राशि की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- प्रदेश प्राचार्या सुनीता अहलावत के नेतृत्व में रंगोली टीम ने ऑपरेशन सिंदूर आधारित आकर्षक रंगोली

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राजीव गांधी खेल परिसर में में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। जिसके लिए दिशा-निर्देश रोहतक सहकारी चीनी मिल की प्रबंधक श्वेता सुहाग (एचसीएस) द्वारा दिए गए और जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक के नेतृत्व में इसका संचालन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और पूरी सांस्कृतिक टीम के प्रयासों की सराहना की। इस टीम में उप जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी देवी, उप जिला शिक्षा अधिकारी राजबाला, प्राचार्य पूर्णिमा, पूनम गुलिया, प्रवक्ता कृष्णा रंजन, अलका मदान, सुशील, अंजना, सोनू शर्मा, बबीता, मीना, रेखा, डीपीई सतीश मलिक आदि शामिल थे। इन सभी सदस्यों ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ काम किया और प्रतिभागी स्कूलों के सराहनीय प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्राचार्या सुनीता अहलावत के नेतृत्व में रंगोली टीम ने ऑपरेशन सिंदूर आधारित आकर्षक रंगोली बनाने के साथ साथ लोक संस्कृति एवं ग्रामीण अंचल आधारित विभिन्न कलाकृतियों से स्टेडियम के हाल में गांव का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया।

सुभाष नगर रेजिडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन ने मनाया स्वतंत्रता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

79वें स्वतन्त्रता दिवस पर सुभाष नगर रेजिडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा कैलाश पार्क सुभाष नगर में प्रवासी बच्चों व स्थानीय नागरिकों के साथ हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण किया गया। देशभक्ति गीतों के साथ शहीदों को नमन करते हुए मिलकर प्रण लिया गया कि अपनी आजादी के मुख्य उद्देश्यों, संविधान, मताधिकार तथा भाईचारे को सदैव जीवित रखने के लिए हमेशा एकजुट रहेंगे। यही हमारे शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ध्वजारोहण बुजुर्ग मातृशक्ति भगवान देवी (100 वर्ष से ज्यादा उम्र)ने किया। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि अशोक खुराना, एडवोकेट अमित बुधवार, प्रधान सेवक प्रवीन सहगल, नरेश डंग, कमल दुरेजा महासचिव, राजेश मलिक, अनुरोध शर्मा, गौरव गिरौतरा, गुलशन बहल, शैलेन्द्र शर्मा, अनिल शर्मा, राजन मदान, अनिल शर्मा, देवेन्द्र छाबड़ा, दर्शन चुघ, अर्चना कोचर, बलराज फोगाट,

केनरा बैंक ने 1,92,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की

रोहतक। क्षेत्रीय कार्यालय केनरा बैंक द्वारा वीरवार को 'केनरा विद्या ज्योति छात्रवृति' वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय प्रमुख अतुल बंसल के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर सवीन पराशर, प्रधानाचार्य रा.व.मा.विद्यालय गद्दी खेड़ी ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में कक्षा 5वीं से 7वीं तक की प्रत्येक छात्रा को 3,000 रुपये व कक्षा 8वीं से 10वीं तक की प्रत्येक छात्रा को 5000 रुपये प्रदान किए गए। क्षेत्रीय कार्यालय ने एससी, एसटी मेधावी छात्राओं को कुल 1,92,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की। केनरा बैंक इस योजना का लाभ प्रति वर्ष निरंतर प्रदान करता आ रहा हैं।

बड़ी लापरवाहीः फायरिंग का आरोपी सम्मानित

- भिवानी जिले में पटवारी के पद पर कार्यरत है आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। फायरिंग के आरोपी को प्रसंशा पत्र प्रदान करते आयुक्त पीसी मीणा और एसडीएम मुकुंद।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्थानीय प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। समारोह के मुख्य अतिथि एवं स्थानीय एसडीएम मुकुंद ने एक ऐसे शख्स को प्रसंशा पत्र देकर सम्मानित कर दिया, जिसके खिलाफ कुछ दिन पहले ही महम थाने में केस दर्ज हुआ है। उस शख्स पर महम के भिवानी स्टैंड पर शराब के नशे में फायरिंग करने का आरोप है।

विकास राठी नाम का यह शख्स भिवानी जिले की एक तहसील में पटवारी के पद पर कार्यरत है। सीसर खास गांव का यह व्यक्ति फिलहाल महम में रहता है। इसने महम के तहसीलदार रवि के साथ मिलीभगत करके स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सम्मानित होने वाले लोगों की सूची में अपना नाम दर्ज करवा लिया। हालांकि एसडीएम ने सूची तैयार होने के बाद बहुत ही बारिकी से जांच भी की थी। जिनको प्रसंशा पत्र दिए जाने थे, उनके बारे में खुद एसडीएम मुकुंद पूछताछ करते हुए नजर आए थे। मगर बावजूद इसके इतनी बड़ी लापरवाही हो जाना अपने आप में एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय की बड़ी लापरवाही उजागर करती है।

सवाल यह है कि जिस शख्स को यह प्रमाण पत्र दिया गया, वह महम में कार्यरत भी नहीं है और उसका किसी भी तरह का प्रशासनिक सहयोग का योगदान नहीं है। बिजली निगम के एसडीओ ने चार कर्मचारियों के नाम एसडीएम के पास भेजे थे। लेकिन उन कर्मचारियों को तो सम्मानित नहीं किया गया, जिस वजह से वे काफी नाराज देखे गए। मगर फायरिंग करने वाले शख्स को सम्मान मिलने के बाद उनको गहरा आघात पहुंचा है।

हालांकि इस बात की जानकारी जैसे ही स्थानीय प्रशासन के पास पहुंची तो एसडीएम कार्यालय के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। जिस तरह की लापरवाही सामने आई है, उससे लगता है कि मामले की जांच के बाद किसी अधिकारी व कर्मचारी पर गाज गिरना तय है।

स्कूलों में धूमधाम ने मनाया स्वतंत्रा दिवस, किया ध्वजारोहण

जीडी गोयनका टॉडलर

रोहतक। जीडी गोयनका टॉडलर हाउस स्कूल में जन्माष्टमी का त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित किया। नन्हे-मुन्ने "कान्हा" और "राधा" बनकर सभी का मन मोह लिया। स्कूल के छोटे बच्चों ने भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित विभिन्न छोटी-छोटी कविताएं सुनाई गई, दही हांडी सजाना जैसी कक्षाओं में कला गतिविधियां भी की गईं। विद्यालय के अंत में प्रधानाचार्या अनामिका बलहारा ने बच्चों को कृष्ण के जन्म की कहानी भी सुनाई और भारतीय त्योहार का महत्व भी बताया।

एचडी लिटिल ब्लॉसम्स

रोहतक। सनसिटी सेक्टर-35 स्थित एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अकादमिक डायरेक्टर कृष्णा फौगाट, डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट, प्रधानाचार्या जगवंती कादयान, अध्यापकगण उपस्तिथ रहे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट ने कहा आज का ये दिन हमे यह स्मरण कराता है कि आजादी की कीमत बहुत बड़ी होती है। हमें इसे संभाल कर रखना है और देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए कार्य करना है। कृष्णा फौगाट ने बच्चों को देशप्रेम और अनुशासन का संदेश दिया। प्रधानाचार्या जगवंती कादयान ने सबका धन्यवाद किया।

जीडी गोयंका इंटरनेशनल

रोहतक। जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के निर्देशक विक्रांत मायना, सान्या मायना, सह-निर्देशक हिमांशु गुप्ता, प्राचार्या सविता नेहरा, सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने मिलकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्राचार्या सविता नेहरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के महत्व और देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों की गाथाओं का वर्णन किया। उन्होंने सभी से देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों, नृत्यों और भाषणों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों ने अपनी कविताओं और विचारों के माध्यम से आज़ादी के प्रति गर्व और देश के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिवार ने देशभक्ति की भावना को जीवंत करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और यह संकल्प लिया कि वे सदैव राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहेंगे।

न्यू विद्या भारती स्कूल

रोहतक। न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल धामड़ में स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ऑर्डिनरी कैप्टन रामकुवार रोहिल, हवलदार सुखबीर हुड्डा, हवलदार शेरसिंह, एवं नायब सुबेदार सतनारण शर्मा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके बाद सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। बच्चों ने अपने-अपने राज्यों की संस्कृति, परिधान, गीत, नृत्य और व्यंजनों के माध्यम से शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या सोनिया दूहन एवं स्कूल निदेशक वीरेंद्र हुड्डा ने सभी विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और उन्हें देशभक्ति, एकता एवं संस्कारों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

वेद मॉडल स्कूल

रोहतक। कलानौर स्थित वेद मॉडल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जन्माष्टमी व 79 वें स्वतंत्रता दिवस को बड़े ही श्रद्धा, उत्साह व जोश के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम स्कूल संचालिका उर्मिल बौंदवाल व स्कूल प्रधानाचार्य उषा रानी ने उपस्थित अभिभावकों व बच्चों के साथ ध्वजारोहण किया व ध्वज के सम्मान में राष्ट्रीय गान गया। बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत भाषण, देशभक्ति गीत, नाटक की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। वहीं जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल के नन्हे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा कृष्ण की वेशभूषा में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।सभी उपस्थित सदस्यों, अभिभावकों, बच्चों व स्टाफ में प्रसाद स्वरूप लड्डू बांटे गए ।

बचपन प्ले स्कूल

रोहतक। बचपन प्ले स्कूल में स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी का त्योहार उत्साह और जोश के साथ मनाया। इस अवसर पर छोटे बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधान पहनकर और पारंपरिक वस्त्रों से सजकर अपनी प्रस्तुति दी, जो वास्तव में प्रशंसनीय थी। विद्यालय की निदेशिका डॉ. सुनीता ने बच्चों के उत्साह और प्रतिभा को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस आयोजन ने देशभक्ति, संस्कृति और आनंद का एक आदर्श मिश्रण प्रस्तुत किया, जो छात्रों और अध्यापकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

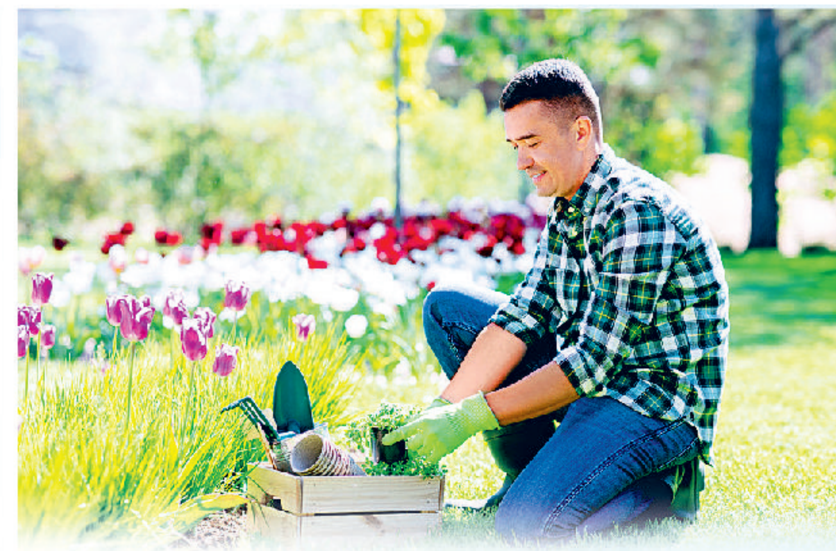

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

लुढ़कते लोटे

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तकः उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना), **संपादकः** कैलाश बाजपेयी, **मूल्यः** 245 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मक्का यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद: मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करना का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

यूजफुल डिवाइस
संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

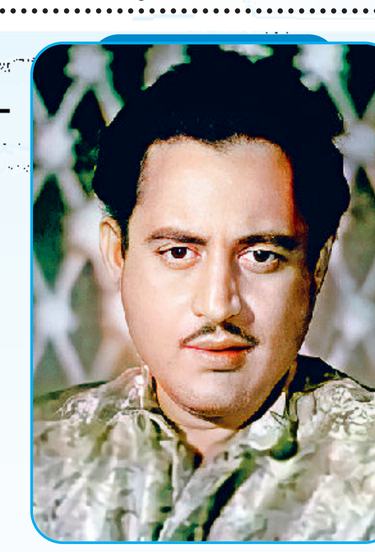

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *